Q: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. वैज्ञानिक पैनल का कार्य खाद्य प्राधिकरण को जब भी मांगा जाता है वैज्ञानिक राय/इनपुट प्रदान करना है।
2. वैज्ञानिक समिति (SC) का गठन खाद्य प्राधिकरण द्वारा खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 की धारा 14 के तहत किया गया है।
3. वैज्ञानिक समिति (SC) गैर-संवैधानिक निकाय है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: a
व्याख्या:

- मानक तैयार करने और जरूरत के समय खाद्य प्राधिकरण को वैज्ञानिक सलाह/जानकारी प्रदान करने के लिए खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 (एफएसएस अधिनियम) की धारा 13 के तहत खाद्य प्राधिकरण ने वैज्ञानिक पैनल गठित किए हैं।
- खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 (एफएसएस अधिनियम) की धारा 14 के तहत खाद्य प्राधिकरण ने वैज्ञानिक समिति (एससी) का गठन किया है। इसमें छह स्वतंत्र विशेषज्ञ (खाद्य प्राधिकरण द्वारा नामित, जो किसी भी एसपी से संबंधित न हों) और सभी एसपी के अध्यक्ष बतौर सदस्य शामिल हैं। वर्तमान में इसके सदस्यों की संख्या 27 है।
- एससी एक वैधानिक संस्था के रूप में एसपी और खाद्य प्राधिकरण के बीच लिंक के रूप में काम करता है।

Q: ग्रीन टग्स के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. यह जीवाश्म ईंधन से संचालित होगा।
2. इसे 2025 तक सभी प्रमुख बंदरगाहों में काम करना शुरू करना है।
3. यह उत्सर्जन में काफी कमी लाएगा और सतत विकास को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: b
व्याख्या:

- ग्रीन पोर्ट एंड शिपिंग (एनसीओईजीपीएस) में भारत के पहले राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्र का गुरुग्राम, हरियाणा में उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि कार्यक्रम 'ग्रीन हाइब्रिड टग्स' के साथ शुरू होगा, जो ग्रीन हाइब्रिड प्रोपल्शन सिस्टम द्वारा संचालित होगा, और बाद में गैर-जीवाश्म ईंधन समाधान जैसे (मेथनॉल, अमोनिया, हाइड्रोजन) को अपनाएगा।
- 2025 तक सभी प्रमुख बंदरगाहों में काम शुरू करने के लिए प्रारंभिक ग्रीन टग (कर्षण नौका) के लिए लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
- कम से कम 50 प्रतिशत कर्षण नौकाओं को 2030 तक ग्रीन कर्षण नौका में परिवर्तित करने की संभावना है, जो उत्सर्जन को काफी कम कर देगा क्योंकि देश निरंतर विकास का लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

Q: हाल में जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल (आईपीसीसी) ने छठे आकलन चक्र के लिए अपनी सिंथेसिस रिपोर्ट जारी की। निम्नलिखित कथन पर विचार करें:

1. ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन से ग्लोबल वार्मिंग बढ़ेगी।
2. वर्तमान जलवायु नीतियां 2100 तक ग्लोबल वार्मिंग को 3.2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ाने का अनुमान है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2
d) इनमे से कोई भी नहीं

उत्तर: c

व्याख्या:

- सिंथेसिस रिपोर्ट तीन कार्यकारी समूहों (डब्ल्यूजी) के परिणामों के आधार पर आईपीसीसी की छठी मूल्यांकन रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्षों का संकलन है।
- दुनिया वर्तमान में लगभग 1.1 डिग्री सेल्सियस वार्मिंग पर है, और वर्तमान जलवायु नीतियों को 2100 तक ग्लोबल वार्मिंग को 3.2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ाने का अनुमान है।
- 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा के भीतर रखने के लिए, उत्सर्जन को 2019 के स्तर की तुलना में 2030 तक कम से कम 43% और 2035 तक कम से कम 60% कम करने की आवश्यकता है।
- रिपोर्ट में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में भारी कमी लाने की तात्कालिकता पर प्रकाश डाला गया है और इस तरह पेरिस समझौते द्वारा निर्धारित पूर्व-औद्योगिक स्तरों से बढ़ते वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित कर दिया गया है।
- 2018 में IPCC की चेतावनियों के बावजूद, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वृद्धि इतनी अधिक जारी रही कि वैश्विक सतह का तापमान पहले से ही पूर्व-औद्योगिक स्तरों से 1.1 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म हो गया है,चरम और/या अप्रत्याशित मौसम की घटनाओं के लिए अग्रणी जो मानव स्वास्थ्य, भाग्य और पारिस्थितिक तंत्र को जोखिम में डालती है।
- तापमान में वृद्धि के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, यह कहा गया है कि इस तरह की घटनाओं ने लोगों को खाद्य असुरक्षा और पानी की कमी के प्रति अतिसंवेदनशील बना दिया है, साथ ही कमजोर आबादी जलवायु परिवर्तन की मार का सामना कर रही है।
- रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले आर्थिक नुकसान और नुकसान पर प्रकाश डाला गया और अधिक न्यायसंगत दुनिया के लिए वित्तीय समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

Q: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. भारत को आईएमओ ग्रीन वॉयेज 2050 परियोजना के तहत पहले देश के रूप में चुना गया है।
2. मंत्रालय पारादीप पोर्ट, दीनदयाल पोर्ट और वी.ओ.चिदंबरम पोर्ट को हाइड्रोजन हब के रूप में विकसित करने के लिए पहले ही चिन्हित कर चुका है।
3. भारत का पहला नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन ग्रीन पोर्ट एंड शिपिंग (NCoEGPS) गुरुग्राम में शुरू हुआ।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: d

व्याख्या:

- ग्रीन शिपिंग से संबंधित एक आरंभिक परियोजना का संचालन करने के लिए आईएमओ ग्रीन वॉयज 2050 परियोजना के तहत भारत को पहले देश के रूप में चुना गया है।
- मंत्रालय ने पहले ही पारादीप पोर्ट, दीनदयाल पोर्ट की पहचान कर ली है और वी.ओ.चिदंबरम पोर्ट को हाइड्रोजन हब के रूप में विकसित किया जाएगा - जो 2030 तक हरित हाइड्रोजन के प्रबंधन, भंडारण और उत्पादन में सक्षम है।
- गुरुग्राम, हरियाणा में ग्रीन पोर्ट एंड शिपिंग (NCoEGPS) में भारत के पहले राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन।

Q: हाल ही में, भारत के एक अंतर-मंत्रालयी प्रतिनिधिमंडल ने इंडोनेशिया के बाली में दूसरे इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉस्पेरिटी (IPEF) वार्ता दौर में भाग लिया। निम्नलिखित कथन पर विचार करें:

1. आपूर्ति श्रृंखला
2. स्वच्छ अर्थव्यवस्था
3. हरित अर्थव्यवस्था

निम्नलिखित में से कौन IPEF के स्तंभ थे:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: a

व्याख्या:

- अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई दारूसलम, भारत, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया गणराज्य, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपीन्स, सिंगापुर, थाईलैंड एवं वियतनाम सहित 13 अन्य देशों के वार्ताकारों ने भी बाली में आयोजित वार्ता दौर में भाग लिया।
- बालीदौरकेदौरान, चर्चाओं में IPEF के सभी चार स्तंभों को शामिल किया गया:
    - व्यापार (स्तंभ i),
    - आपूर्ति श्रृंखलाओं (स्तंभ ii),
    - स्वच्छ अर्थव्यवस्था (स्तंभ iii) और
    - निष्पक्ष अर्थव्यवस्था (कराधान और भ्रष्टाचार विरोधी) - (स्तंभ iv)